धातुपाठ

॥श्रीगणेशायनमः॥ ॥अथधातुपाठोलिख्यते॥ ॥भूसत्तायांउदात्तः प
रस्मैभाषा। एधवृद्धौ। स्पर्धसंघर्षे। गाधप्रतिष्ठालिप्सयोर्ग्रंथेच। बाधलो
डने। नाथनाध्याञ्चोपतापैश्वर्याशिष्वि। दधधारणे। स्कुदिआप्रवणे॥
ष्विदिश्वैत्येवदिअभिवादनस्तुत्योः। मदिकंत्यादिषुसरेच। मदिस्तुतिमोदम
दस्वप्नकांतिगतिषु। स्यदिकिंचिच्चलने। क्लिदिपरिदेवने। मुदहर्षे। दददाने।
षदषदआस्वादने। उर्दमानेक्रीडायांच। कुर्दखुर्दगुर्दुदक्रीडायामेव।
णूदक्षरणे। हादअव्यक्तेशब्दे। ह्लादीसुखेच। स्वादआस्वादने। पर्कुत्सिते
शब्दे। यतीप्रयत्ने। युत्रुतुत्रुभासने। विथेवेधयाचने। ग्रथिर्शैथिल्ये।
ग्रथिकोटिल्ये। कथश्लाघायां॥२७॥ एधादयउदात्तानुदात्तेतआ

आत्मनेभाषाः। अतसातत्यगमने। चिती संज्ञाने। च्युतिरआसेचने। स्च्युतिर
क्षरणे। पंथविलेडने। कुथिलुथिमथिहिंसासंक्लेशनयोः। षिधगत्यां। षिधू
शास्त्रेमांगल्येच। खादभक्षणे। खदस्तैर्यहिंसायांच। वदस्तैर्यवदव्यक्तायां
वाचि। रदविलेखने। णदअव्यक्तेशब्दे। अर्दगतौयाचनेच। नर्दगर्दशब्दे। त
र्दहिंसायां। कर्दकुत्सितेशब्दे। स्वर्दंदशूके। अतिअदिबंधने। इदिपरमैश्वर्ये।
निदिअवक्षेपे। गडिवदनैकदेशे। चिदिकुत्सायां। टुनदिसमृद्धौ। चदिआ
ह्लादेदीप्तौच। त्रदिचेष्टायां। कदिक्रदिकुदिआक्रंदनेरोदनेच। क्लिदिपरि
देवने। ष्वंधस्वप्नेच। अतादयउदात्तात्उदात्तेतः परस्मैभाषाः॥७२॥ क्रीञ्
द्रव्यविनिमयेच। लोकृदर्शने। श्लोकृसंघाते। ईकृधेकृशब्दोत्साहयोः। रेकृशं

कायां। सेकृस्त्रेकृस्त्रकिंत्रकिंश्लकिंगत्यर्थाः। त्रांकिंत्रींकायां। अकिलक्षणे। व
किंकोटिल्ये। मंकिंमंडने। ककंकोटिल्ये। कुंकुचंकआदाने। चंकृतंसौप्रतीघा
नेच। कंकिंवकिंचकिंत्रकिंटोहत्रोहर्षेक्षवस्कंमस्कटिंस्टीहनिंहनींकृ
रंघिं। लंघिंगत्यर्थाः। लंघिंभोजननिवृत्तौच। अंघिंवंघिंमंघिंगत्याक्षेपे। म
घिंकैतवेच। रांघृंलांघृंत्रांघृंध्रांघृंसामर्थ्ये। द्रांघृंआयामेच। श्लांघृंकथ
नें। त्रींकादयउदात्ताअनुदात्तेतआत्मनेभाषाः॥१७॥पंकृंनीचैर्गतौ। त
कंसहने। लंकिंकृंछ्रजीवने। बुंक्कंभषणे। करंसहनेओरंवरारंवलारंव
क्रारंवक्षारंरंत्रोंवणालमर्थयोः। त्रारंवश्लारंवस्त्रंसौ। उरंवउर्विंवरंव
वार्विंमरंवमर्विंपारंवणरिंरंवरंस्विंलरंवल्विंइरंवद्रंविंइरंवइरंवि २

त्रंवत्रिंस्त्रिंस्त्रिंरिंइरंवलारंगिंलगिंअगिंवगिंमगिंतगिंत्रुगिंश्रगिंश्लगिं
इगिंरिंगिंलिंगिंगत्यर्थाः। लगिंकंपने। युंगिंजुंगिंचुंगिंवर्जने। घंघहसने। म
घिंमंडने। लंघिंशोषणे। त्रिंघिंआघ्राणे। फक्कादयउदात्ताउदात्तेत्तः परस्मैभा
षाः॥१६२॥चंर्चदीप्तौ। पंचंसेचनेसेवनेच। लोचंदर्शने। त्रंचंव्यक्तायांवाचि।
श्वंचंश्वंचिंगतौ। कंचंबंधने। कंचंकांचिंदीप्तौबंधनयोः। मंचंमुंचिंकल्क
नें। प्रंचिंधारणोच्छ्रायपूजनेषु। पंचिंव्यक्तीकरणे। कृंचंप्रसादे। त्रृंजांवि
ग्रंनार्जनोपार्जनेषु। त्रंतिंभृंजींभर्जने। एंजृंभ्रेंजृंभ्राजृंदीप्तौ। ईंजृंगति
कुत्सनयोः। चंर्चदयउदात्ताअनुदात्तेतआत्मनेभाषाः॥१६३॥शुंचृंशोके।
कुंचृंत्रुंचृंनारे। कुंचंकुंचंकोटिल्यात्मीभावयोः॥ लुंचंअपनयने। अंचुं
गतिपूजनयोः। वंचुंचंचुंतंनुंलंचंम्लुंचुंम्लुंचुंम्लुंचुंगत्यर्थाः॥ शुंचुंम्लु

चुकुंजुखुंजुस्तेयकरणे। गुंचुषस्जगतौ। ग्रांश्वेयेके। गुंजिअव्यक्तेशब्दे।
अर्चपूजायां। अंचइत्येके। म्लेछअव्यक्तेशब्दे। लछलाक्षिलक्षणे। वांछइ
च्छायां। आछिआयामे। कांक्षलज्जायां। कुर्छौटिल्ये। मुर्छामोहसमुच्छ्रा
यो:स्फुर्छाविस्तृतौ। युमुप्रमादे। उछिउंछे। उर्छीविवासे। भ्रजभ्रजिभ्र
जधजिध्वजध्वजिगतौ। कूजअव्यक्तेशब्दे। अर्जिर्जअर्जने। गर्जशब्दे।
तर्जभर्त्सने। कर्जव्यथने। रवर्जमार्जनेच। अजगतिक्षेपणयो:। तेजपालने।
रवजमंथे। कजमंदइतिकेचित्। रवजगतिवैकल्ये। एजकंपने। टुओस्फूर्जृ
त्रनिचेष्टे। क्षिक्षये। क्षीजअव्यक्तेशब्दे। लजलज्जिभर्त्सने। भ्राजलाजिभर्त्स
नेच। जजजजि युद्धे। तुजहिंसायां। तुजिपालनेच। गजगर्जिगजगर्जिमज

मुनिश्चत्यर्थाः। गजमदनेच। वजव्रजगतौ। स्फुरादयउदात्तेतः स्फि
र्जंपरस्मैभाषाः॥२५९॥अहातिक्रमणहिंसनयोः। वेञ्वेञ्तने। चेञ्चेञ्
यां। गोञ्लोञ्संघाते। घट्चलने। स्फुटविकसने। अटिगतौ। वटिएकचर्या
यां। मटिकरिशब्दे। मुटिपालने। हेठिनिगाधायां। एडच्हिंसागतिरमणयोः।
कुटिसंघाते। कुटिरोहे। यटिविभाजने। मटिच। वटीतिशकटायनः। मडिच
वरिहासहसनयो। भटिपरिभाषणे। पिटिसंघाते। मुडिमार्जने। नुडितोडने।
कुडिरमणे। चडिकोपे। चडिकुजायांसंघातेच। तडिताडने। पडिगतौ। कडिमदे।
रवडिमंथे। हडिहोअनादरे। वाडृआप्लेमोहाडृभाडृविशरणे। भ्राडृम्लो
घायां। अहादयउदात्तात्मनेभाषाः॥२९०॥ञीधृचर्गे। योडृ

बंधे। म्लेच्छ म्लेच्छ उन्मादे। कट वर्त्तने वर्त्तिकरणयोः। चट भेदने। अट पट गतौ। र
ट परिभाषणे। लट आस्वादने। शट कृशत्वे। शट शातने। वट वेष्टने। कि
ट किट्टने। त्रिट परिभाषणे। त्रिट त्रिट अनादरे। जट झट संघाते। भट भृतौ। नट अवस्रंसने। च
र र्क्क भक्षणे। नट नृतौ। घिट त्रिट अवसंघातयोः। हट दीप्तौ। वट अवयवे। लुट वि लो
ठने। वि पर प्रेभ्यो नि ट त्रिटे। वि ट आक्रोशे। हि ट ग्रहे। इट किट कटी गतौ। मडि
भूषायां। कुडि वैकल्ये। मुट पुट मर्दने। चुडि अल्पीभावे। चुट छेदे। पुडि खंडने। पु
डि भेदे। रुटि लुटि छेदे। स्फुटिर विक्रारणे। स्फुटि स्फुट विकसने। पट व्यक्तायां वा चि
वट स्थौल्ये। मट मदनिवासयोः। कट हर्षे जीवने। रट परिभाषणे। हट लुटि
राट त्वयोः। रुट लुट उठ उपघाते। उठ देशे। घिट हिंसासंक्लेशनयोः। राट
कैतवे च। शुठ गति प्रतिघाते। कुटि च। लुठि आलस्ये प्रतिघाते च। शुटि श्रो ४

लु
वणे। रुटि शुटि गतौ। चुडु भावकरणे। अडु अभियोगे। कडु कार्कश्ये। क्री
ड विहारे। नुड नोदने। कुडृ कुडृ होडृ गतौ। रोडृ आनादरे। रोडृ लोडृ उन्मादे। अड उ
द्यमे। लड विलासे। लल ईप्सायां। कडमदे। गडि वदनैकदेशे। गोदयउदात्ता
उक्तेभ्यः परस्मैभाषाः॥ १८॥ तिपतेपृषिपृषेक्षरणार्थाः। घिपृथे पृङ्
प्रो ते पृकंपने। ग्लेपृदैन्ये। टने पृकंपने। केपृगेपृग्लेपृचा मे पृरे पले पृगतौ।
हे पृप्रेपृचा त्रपूष्लज्जायां। कपिचलने। रबिलबि अबिस्रंसे
नेच। कत्वर्थे। कीनअधार्ष्ट्ये। क्षीवमदे। ञीभृकत्थने। चीभृचा रेभृशब्दे। अ
भिरभिचा। सृभिस्कभि प्रतिबंधे। जभीजृभिगात्रविनामे। शल्भकत्थने।
वल्भभोजने। गल्भधार्ष्ट्ये। शंभुप्रमादे। ष्टुभुस्तंभे। तिप्रादयउदात्ताअनु

दान्तेतस्तिपिवर्जमात्मनेभाषाः। गुपूरक्षणे। धूपसंतापे। जल्पजप व्यक्तायां
वाचि। जपमानसे च। चपसान्त्वने। षपसमवाये। रपलपव्यक्तायांवाचि। चुप
मंदायांगतौ। तुपतुंपलपतंपलुफनुभरफपत्फहिंभार्थाः। पर्यरफरभि
अवपर्वलर्बर्बर्मबकर्बरवर्मनर्त्रार्वषर्वभर्वगतौ। कुविक्षादने। लुवि
लुविअर्दने। चुविवक्त्रसंयोगे। क्षुभक्षुभुहिंसायैं। ष्विभुषिभुइच्छे। शुभ
शुंभभाषयो। हिंसायांच। गुपादयश्चदान्ताश्चदान्तेतः परस्मैभाषाः॥४२१॥
घिणिघुणिघृणिग्रहणे। घुर्णघूर्णभ्रमणे। पणव्यवहारेस्तुतौ च। पन
च। भामक्रोधे। क्षमृष्सहने। कमुकांतौ। घिण्पादयश्चदान्ताअनुदान्तेत
आत्मनेभाषाः॥४२२॥ अणरणवणभणप्रणकणक्वणत्रणश्रणध्वन ५

शब्दार्थाः। ओणृअपनयने। श्रोणृवर्णगत्योः। श्रोणृसंघाते। श्लोणृच। पेष्
गतिप्रेरणश्लेषनेषु। प्रणत्रादे। वणाधणच। कनीदीप्तिकांतिगतिषु। ष्टन
पनस्तवे। वनषणसंभक्तौ। अमगत्यादिषु। इमभ्रमंमीमृगतौ। चमु
छमुजमुझमुअदने। झिमुइस्नेहे। ऋमुपादविक्षेपे। अणादयश्चदान्ताश्चदान्ते
तः परस्मैभाषाः॥४७२॥ अमवयपयमयचयनयणयगतौ। षयइस्नेह
क्षयक्षानगतिरक्षणहिंसादानेषु। रयगतौ। ठयीतंतुसंताने। ष्ठयीविशवोद्
गंधनेच। क्ष्यीक्षेदेउंदेच। ष्ठ्यायीविधूनने। स्फायीओप्यायीवृधौ च
तायृसंतानपालनयोः। शालचनसंवरणयोः। बलबल्लसंवरणेसंच
रणेच। मलमल्लधारणे। भलभल्लपरिभाषणहिंसादानेषु। कलश

व्यसंख्यानयोः। कलुअव्यक्तेशब्दे। तेचदेवदेवने। षेवगवग्लेवपेचमे
वृक्लेवसेवसेवने। त्रोवृस्वेवृक्केवइसेके। रेवप्लुवगतौ। पर्वगतौइसेके। अ
यादयउदात्तास्अनुदात्तेतआत्मनेभाषाः॥१०॥ मव्यबंधने। सूर्स्पर्द्धायां
इर्ष्यईर्ष्यायां। हयगतौ। भक्तिश्रद्धयोरपि। क्षुच्यअभिषवे। चुच्यइतिके
त्वाहर्यगतिकांत्योः। अलभूषणपर्याप्तिवारणेषु। क्षिफलावित्रारणे।
मीलस्मीलस्मीलक्ष्मीलनिमेषणे। पीलप्रतिस्तंभे। णीलवर्णे। द्वीलस
भाधौ। कीलबंधने। फलआवरणे। मूलरुजायांसंघोषेच। तूलनिष्कर्षे।
पूलसंघाते। मूलप्रतिष्ठायां। फलनिष्पत्तौ। चुलुभावकरणे। कुलुविक
सेने। त्रिलुश्रैथिल्यभावकरणेच। तिलगतौ। तिलुस्नेहे। वेलृकेत्व ६ चेल

रेलृक्ष्वेलृक्ष्वेलुचलने। पेलृप्फेलृक्षेलृगतौ। स्खलसंचलने। स्खलसंचये।
गलअदने। खलगतौ। दलविशरणे। श्वलश्वलुआशुगमे। स्रोलृस्रोऋग
तिप्रतिघातेः धोऋगतिचातुर्ये। स्मरहूलने। अभ्रवभ्रम
भ्रचरगत्यर्थाः। चरगतिभक्षणायेषि। क्षिवुनिरसने। जिज्ञये। जीवप्राणध
रणेपि। ग्रीवतीवर्णविस्तोल्ये। क्षिवुनिरसने। क्षेवुइसेके। उर्वीतुर्वीधुर्वी
दुर्वीधुर्वीहिंसाथाः। गुर्वींउद्यमने। मुर्वबंधने। पूर्वपर्वकर्वमर्वपूरणेच।
वंअदने। भर्वहिंसायां। कर्वस्वर्गगर्वदर्वी। अर्वत्रर्वषर्वहिंसायां। इत्मा
नो। त्रिवीत्रिवीप्रिविसेचने। सेवनेइसेके। हिविदिविधिनिप्रीणनार्थाः।
रिविरिधविगत्यर्थाः। डुविहिंसाकरणेयोश्चेति। मवबंधने। अवरणग
तिकांतिप्रीतितृप्तिअवगमप्रवेशश्रवणस्वाम्यर्थयाचनक्रियेच्छादीप्त

गाङ्पालिंगनहिंसादानभागवृद्धिषु। मव्यादयउदात्ताउदात्तेतोजयति
वर्जपरस्मैभाषाः। धावुगतिशुध्योः। उदात्तः स्वरितउभयतोभाषः।
धुक्षधिक्षसंदीपनकूजनजीवनेषु। रक्षवरणे। क्षिविद्योपादाने। भिक्ष
भिक्षायामलाभेलाभेच। कुङ्शब्दकायांवाचि। दक्षवृद्धौशीघ्रार्थेच।
दीक्षमौंड्योपनयननियमव्रतादेशेषु। ईक्षदर्शने। ईषगतिहिंसाद
र्शनेषु। भाषव्यक्तायांवाचि। वर्षस्नेहने। गेहआत्मिकायां। ग्लेषप्रयत्ने।
नेषणेवएषइच्छागतौ। रेषहेषअव्यक्तेशब्दे। हेषच। कासशब्दकुत्सा
यां। भासदीप्तौ। णासरासशब्दे। णसकोटिल्ये। ष्वसभयेआङः। णसु
छायां। ग्रसुग्लसुअदने। ईहचेष्टायां। वृहिमहिवृद्धौ। अहिंगतौ। गर्ह
गल्हकुत्सायां। बर्हबल्हप्राधान्येबर्हबल्हपरिभाषणहिंसाछादने

षु। बर्हबल्हलिहगतौ। वेहजेत्रजाहप्रयत्ने। द्रात्रनिद्राक्षये। निक्षेपे
ईप्सन्यो। काङ्दीप्तौ। उहवितर्के। गाहविलोडने। गृहग्रहणे। ग्लहच। घुषि
कान्तिकरणे। धुषादयउदात्तात्मनेभाषाः। घुषिरविशब्द
ने। भक्ष्याप्तौ। तक्षत्वक्षनूकरणे। उक्षसेचने। रक्षपालने। भिक्षचु
बने। नक्षद्यक्षगतौ। वक्षरोषे। संघातेईप्सन्यो। मक्षईप्सायेके। तक्षत्वचने। पक्ष
परिग्रहईप्सायेके। सक्षआदरे। अनादरईप्सन्यो। काक्षिमाक्षिमाक्षिकाक्षायां।
दाक्षिश्राक्षिश्वाक्षिघोरक्षमितेच। ऊषनुष्टौ। पूषवृद्धौ। मूषस्तेये। तू
षदूषभूषायां। सूषप्रसवे। पूषहिंसायां। नूषच। भूषअलंकारे। उषदा
हायां। ईषउंछे। कषस्पर्शेवर्जनेषस्पर्शनेवषमषरिषहिंसार्थाः।

भष भर्त्सने। उषदाहे। जिषुविषुमिषुसेचने। पुष पुष्टौ। श्लिषुश्लिषुपुषुषुषुषुदाहे। रुषुरुषुम्लिषुसेचने। मरुषुसहने च। इतरौ हिंसासंक्लेशनयोश्च। घसुसघर्षे। हसुअलीके। तुसकुसल्हसरसशब्दे। लसश्लेषणक्रीडनयो। घस्लृअदने। जर्जनर्चर्चसूर्सपरिभाषणहिंसातर्जनेषु। पिसपेसगतौ। हसेहसने। णिशसमाधौ। मिशमर्शशब्दे रोषकृतेच। शवगतौ। शाशपूवगतौ। शासुहिंसायां। वांसुस्तुतौ। चहपरिकल्कने। महपूजायां। रहत्यागे। रहिगतौ। दहदहिरहवहौ रधौ। वहिश्लेषे च। वहिइतिचंद्रः तुहिस्तुहिरर्दने। अर्हपूजायां। घुषिराद्यउदात्तेतः परस्मैभाषाः। घुतद्दीप्तौ। स्विताववर्णौ। स्निहिस्नेहने। स्निहिस्नेहनमोचनयोः। स्निह

MEMORIAL DR BHAU DAJI

दाइत्यन्ये। रुचदीप्तावभिप्रीतौ च। घुटवर्त्तने। रुटलुटलुटप्रतिघाते। क्षुभदी
प्तौ। क्षुमसंचलने। णभनुभहिंसायां। स्तंसुध्वंसुभ्रंसुअवस्रंसने। भ्रंसुगतौ च।
स्रंभुविश्वासे। स्रुवर्त्तने। स्रुसुध्वोरधुशब्दकुत्सायां। स्यूप्रस्त्रवणे। कूसामर्थ्ये। घृताद्यउदात्ताअनुदात्तेतआत्मनेभाषाः। रट्परिभाषणे। स्वदास्वादने। क्षजि
गतिक्षनयोः। दक्षगतिहिंसनयोः। क्रमुपागतौ। कसिकृषिवेकुत्ये।
कस्कृकुरइत्यन्ये। त्रिष्वशसंभ्रमे॥ घटाद्यउदात्ताअनुदात्तेतः क्षितश्च।
आत्मनेभाषाः॥ ञ्चरगतौ। नट नृतौ। षूकप्रतिघाते। चकत्तौ। कृवेहसं
ज्ञे। रगेशंकायां। लगेसंगे। हगेहगेषगेषृगेसंवरणे। कगेनोन्नते। अकुअग

कुटिलायांगतौ। कणरणगतौ। चणत्राप्राप्रणदाने। ग्रथक्रथक्रथकुथसिंसा
र्थाः। चनच। ननुचनोन्नतेऽचलदीप्तौ। कलस्मलचने। स्मआध्याने। द्वय।
स्कन्दयोः। आघाते। मारणतोषणनिशामनेषुजा। कंपनेचलिः। उदिस्फूर्जने।
स्निक्नोन्मथनेलडिः। मदीहर्षग्लेपनयोः। धनधान्ये। दलिवलिस्वलिरणि
ध्वनित्रविक्षपयश्च। स्वनअनंसने। घटादयोमितः। जनीज्हष्क्नसुरंजो
मंताश्च। अलक्रीकमलनमामनुपसर्गात्। ग्लास्नावनुपमाचानक्रम्मिन
भो। श्रामोदनेि। यमोपरिवेषणे। स्वदिस्वदिभ्यांच। कणगतौ। रत्नाचरा
दयउदात्तेतः परस्मैभाषाः। राजदीप्तौ। उच्चैःस्वरितेतुभयतोभाषाः॥
टुभ्राजटुभ्राशटुभ्लाशदीप्तौ। उदात्तोअनुदात्तेतआत्मनेभाषाः। स्यमुस्त ९

नध्वनशब्दे। वमक्रमअनेकुत्से। अचलदीप्तौ। चलकंपने। जलघने। टलटलवे
कुत्से। फलस्खलने। हलविलेखने। णलगंधे। बंधनेइत्येके। पलगतौ। बलप्रा
णनेधान्यावरोधेच। पुलमहत्वे। कुलसंस्त्यानेबंधुषुच। शलकुलपल्वगतौ।
कुलहिंसासंहरणयोश्च। कथोनिष्पाके। पथेगतौ। प्रथेविलेङनेे। टुवमउ
द्गिरणे। ष्णुचलने। क्षरसंचलने। षलसंचये। स्वमादयउदात्तायुदात्तेतः प
रस्मैभाषाः॥ षह्मर्षणे। उदात्तोनुदात्तेतआत्मनेपदी॥ रमक्रीडायां। अनुदात्तो
नुदात्तेतआत्मनेपदी। षदॢविशरणगत्यवसादनेषु। अयंराक्रीडानुदात्तेतः। रा
टॢगतौ। कुटाआक्रोशनेरोदनेच। सदादयस्त्रयोनुदात्तेनउदात्तेतः परस्मै
भाषाः॥ कुचसंस्त्यानिकोरिल्मप्रतिष्ठंभविलेखनेषुबुधअवगमेऊहवी

जनजन्मनिप्रादुर्भावे।कुञ्चादयश्चदान्तास्तेलोः।हिंस्रनुदात्तः।परस्मैभाषाः।
रुत्।हिक्अव्यक्तेशब्देअंचुगतौयाच्चेच्च।।टुयाचृयाच्ञायां।रेफपरिभाष
णे।चतेवदेर्याच्चने।प्रोथपर्यसोः।मिहमेहमेधाहिंसनयोः।मेध्संगमेच।णि
दृणेदकुत्सासंनिकर्षयोः।श्रुस्रुद्रुस्रुवनेश्रुद्रुस्रुवोश्रुविरवोधने।डुदिरनिशाम
नेश्वेणगतिवृद्धानचिंतानिशामनक्षपणास्त्रिग्रहणेषु।स्वनुअवस्करणेवीरआद
नसंवरणयोः।चायपूजानिशामनयोः।ध्यैगतौ।दाश्दाने।भेश्भये।भे
षगतौ।श्लेष्इत्यपि।असगतिदीप्त्यादानेषु।अशेसेके।स्पृशोवाधनस्पर्शनि
योः।लषकांतौ।चषभक्षणे।छषहिंसायां।घृषआदानसंवरणयोः।भ्रक
क्षभ्रक्षअदने।हसदाने।माङ्माने।गुहूसंवरणे।हिक्कादयउदात्ताःस्वरि ९०

नेनः।श्रिञ्सेवायां।उदात्तः।भ्रञ्भरणे।स्रञ्हरणे।धृञ्धारणे।णीञ्
प्रापणे।भ्राद्यउदात्ताः।धेट्पाने।ग्लैम्लेहर्षक्षये।म्लेगात्रविनामे।ष्ठै
न्यकरणे।ध्रैस्नेहने।ध्रेत्तसो।ध्यैचिंतायां।श्रैशब्दे।स्रेस्त्रेशब्दसंघातयोः।
रेरवदने।क्षैजैक्षयेकेगैशब्दे।त्रोत्रैपाके।त्रैरक्षणे।पेओवैशोषणे।वेवे
ञ्तने।छेवेञ्तने।ब्योवेञ्तन्तुसंताने।देवृञ्शोधने।पापाने।घ्राध्मोधाद्दाप्शा
साञ्छासिसंयोगयोः।द्यागतिनिवृत्तौ।म्नाअभ्यासोच्चारणदाने।रुक्रौट्लिङ्।
स्त्रञ्शोषणपचयोः।स्मृचिंतायां।द्रुसंवरणे।सृगतौ।ऋगतिप्रापणयोः।
स्मृधमेञ्ने।ध्वन्शब्दे।सुगतौ।षूप्रसवैश्वर्ययोः।श्रुश्रवणे।ध्रुस्थैर्ये।द्रु
गतौ।प्रिञ्प्रीञ्अभिभवे।ध्वन्यादयोनुदात्ताः।क्ष्मिङ्ईषद्धसने।गुङ्अ
व्यक्तेशब्दे।णाङ्गतौ।कुङ्घुङ्उङ्ङ्अव्यक्तेशब्दे।ष्णुङ्स्नुङ्ष्णुङ्ञ्नुतौ।ष्टुङ्

कुङ् गतौ। कडृ गतिरेषणयोः। धडृ अवस्रंसने। प्रेङ् प्रतिदाने। देङ् रक्षणे। शपेङ् गतौ। ब्येङ् रक्षौ। त्रेङ् पालने। पूङ् पवने। मूङ् बंधने। डाङ् विहायसागतौ। ष्मिङ् ईषद्धसने। ह्मिङ् भृतौ। ह्मिङ् प्रीतौ। डुलभष् प्राप्तौ। ष्वञ्च परिष्वंगे। हृद्पुरीषोत्सर्गे। गुपादयो नुदात्ताअनुदात्तेतः। त्रिष्विदाः अव्यक्तेशब्देऽनुदात्तः। स्कंदिर गतिशोषणयोः। यभ मैथुने। णमुप्रह्वत्वे। गम्लृ सृ गतौ। यमउपरमे। तपसंतापे। खजहलनौ। वंजसंगे। दृशिर् प्रेक्षणे। दंशदंशने। रुषविलेखने। दहभस्मीकरणे। मिहसेचने। स्कंदादयोनुदात्ताः॥ ॥ अक्षिनिवासेरोगापनयनेच। उदात्तः दानअवखंडने। ज्ञानतेज १२

ने। स्वरितेतौ। डुपचष् पाके। वचसमवाये। भजसेवायां। रंजरागे। त्रपअवझौ। लिषदीक्षौ। यजदेवपूजासंगतिकरणदानेषु। डुवप् बीजसंताने। छ प्रापणे। पचादयोनुदात्तोः स्वरितेतः स्वरितस्तूदात्तः। वसनिवासेअनुदात्ताः। दंशतेनुसंताने। ष्वेङ् संवरणे। कंङ् स्वप्नाक्षेचा। वेञादयोनुदात्ताः। वद्व्यक्तायांवाचि। टुओस्विगतिवृद्धयोः। व्रतअयंवृतिश्चोदात्तो॥ ॥ इतिनाक्षिकरणाःवादयः॥ ॥ अदभक्षणे। हनहिंसागत्योः। अदिहनीअनुदात्तौ। द्विषअप्रीतौ। दुहप्रपूरणे॥ दिहउपचये। लिहआस्वादने। द्विषादयोनुदात्ताः स्वरितेतः। चक्षिङ् व्यक्तायांवाचि। उदात्तोनुदात्तेत्। ईङ् गतौ। कंपनेच। ईडुस्तुतौ। ईङ्भये। आसउपवेशने। आङः ना

सुइ॰ञायो॰। वस॰आच्छादने॰। कसि॰गतिशासनयोः। पिसि॰चुंबने॰। णिजि॰शुद्धौ॰। षिजि॰अव्यक्ते॰शब्दे॰। षिजिर्वा॰। वृजी॰वर्जने॰। पृची॰संपर्चने॰। षूङ्॰प्राणिगर्भविमोचने॰। श्रीङ्॰स्वप्नो॰ईदयउदात्ताअनुदात्तेतः। युप्मिश्र॰योमिश्रणयोः॰। रुशब्दे॰। णुस्तुतौ॰। टुक्षु॰शब्दे॰। क्षुणेजने॰। क्षुप्रस्तवे॰। युप्रभृतयउदात्ताः॰। ईर्षुश्र॰आच्छादने॰। उदात्तः॰। घुञ्॰अभिगमने॰। षुप्रसवैश्वर्ययोः॰। कुशब्दे॰। ष्टुञ्॰स्तुतौ॰। धोदाद्योनुदात्ताः॰। ऋ॰ऋक्षायां वाचि॰। उदात्तः॰। इण्॰गतौ॰। इङ्॰अध्ययने॰। इकृ॰स्मरणे॰। वीगत्याः॰। गतिगंधनयोः॰। भादयो॰ण्यन्ताश्चे॰। भ्रापाके॰। ष्ठाकृत्साय्यांगतौ॰। क्ष्माभक्षणे॰। पारक्षणे॰। राङ्॰ने॰। लाआदाने॰। ष्टुलवणे॰। रमाप्रकथने॰। प्रापूरणे॰। मा ७२

ङ्॰ने॰चपरिभाषणे॰। डुकृञ्॰प्रभृतयोनुदात्ताः॰। विङ्॰ताने॰। असभुवि॰। मृजुशुद्धौ॰। रुदिङ्॰अश्रुविमोचने॰। विलदयउदात्ताः॰। स्निषूङ्॰ञायो॰। अनुदात्तः॰। श्वसप्राणने॰। अनवा॰। जक्षभक्षहसनयोः॰। जागृनिश्चाक्षये॰। दरिद्रादुर्गतौ॰। चकासदीप्तौ॰। शासुअनुशिष्टौ॰। श्वसादयउदात्ताः॰। दीधीङ्॰दीप्तिदेवनयोः॰। वेवीङ्॰वेतिनातुल्ये॰। उदात्तौ॰। वसषस्तैंप्ने॰। नश्रा॰कांतौ॰। वसोदयउदात्ताः॰। चकृञ्॰रीतंच॰। कुस्वङ्॰अपनयनेअनुदात्ताः॰। ईनिलुकृञ्॰करणाअदादयः॰॥॥ हुदानादनयोः॰। ञिभीभये॰। ह्रीलज्जायां॰। जुहोत्यादयोनुदात्ताः॰। पृपालनपूरणयोः॰। उदात्तः॰। माङ्॰मानेशब्दे च॰। ओहाङ्॰गतौ॰। डुभृञ्॰धारणपोषणयोः॰। ओहाक्॰त्यागे॰। डुदाञ्॰दाने॰। डुधाञ्॰धारणपोषणयोः॰। णिजिर्॰पृथग्भावे॰। विष्लृ॰व्याप्तौ॰। णिजादयः

स्वरितेनोदात्तः। अथोदात्तः। चक्षरणदीप्त्योः। दृप्रसह्यकरणे। ऋसृगतौ। चप्रभृतयोनुदात्ताः। भस्भर्त्सनदीप्त्योः। उदात्तः। किरतौ। अनुदात्तः। तुरत्वरणे। धिषश्वै धनधान्येजनननने। नुरादयउदात्ताः। गास्तुतौ। अनुदात्तः। उदात्तः। रत्॥ ॥ इतिश्नुविकरणाजुहोत्यादयः॥ श्रीः॥ ॥ दिवुक्रीडाविजिगीषाव्यवहारद्युतिस्तुतिमोदमदस्वप्नकान्तिगतिषु। षिवुतन्तुसंताने। ष्ठिवुनिरसने। ष्णुसुत्रिरसेने। ष्णसुक्षेपणदीप्त्योः। षुषद्दाहे। ष्टुषपुष्योस्तीगात्रनिक्षेपोत्रस्तौउद्वेगे। कुथपूतीभावे। पूयहिंसायां। गुधपरिवेष्टने। क्षिपप्रेरणे। लुप्तविकसने। तिमष्टिमष्टीमआर्द्रीभावे। ष्ठीवुशोषणे लज्जायां। ष्वदगतौ। वहघुहक्षमार्थे। ऋषृहर्षुगयोहा ७२

॥

नेो। दीङ्क्षये। षिङ्विहायसागतौ। धीङ्आधारे। मीङ्हिंसायां। रीङ्श्रवणे। लीङ्श्लेषणे। नीङ्वणोत्यर्थे। स्वादयोनुदात्ताः। पीङ्पाने। माङ्मेने। इङ्गतौ। प्राङ्प्रीणने। दाङ्त्र्योडीन्नजर्जमनुदात्ताः। शोतनूकरणे। छोछेदने। ष्ठीवंतकर्मणि। दोभवखंडने। रुधादिप्रभृतयोनुदात्ताः। जनीप्रादुर्भावे। दीपीदीप्तौ। पूराआप्यायने। तूरागतित्वरणहिंसनयोः। धूरीगूरीहिंसागत्योः। धूरीजूरीहिंसातेयोहान्योः। शूरीहिंसास्तंभनयोः। चूरीदाहे। तपैश्वर्ये। रुचुवरणे। कूजाउपतापे। कृशदीप्तौ। गभरावै। शुचिरपूतीभावे। जन्यादयउदात्तभनुदात्तेतस्तिपिवर्जं। म्रक्षतिस्तिक्षायां। ईशुचिरपूतीभावे। ऊदितोस्वरितेतौ। पाहब्बंधने। ज्ररागेशपभाक्रोशे। पाहादयोनुदा

दान्ताः स्वरितेतः। पदगतौ। विदृ दैन्ये। विदृ सत्तायां। युधअवगमने। युध
संप्रहारे। अनोरुधकामे। अणप्राणने। मनज्ञाने। षुञ्अभिषवे। षूङ्प्राणिगर्भविमोचने। षूङ्
प्राणिप्रसवे। षूङ्प्राणिगर्भविमोचने। षूङ्प्राणिप्रसवे। षिञ्बन्धने। डुकृञ्करणे। तनु
विस्तारे। षणुदाने। षणुदाने। षणुदाने

क्षुभसंचलने। णभनुभहिंसायां। क्लिदू आर्द्रीभावे। त्रिमिदास्नेहने। ञि
ष्विदास्नेहनमोचनयोः। कुधुरधौ। गधुअभिकांक्षायां। रत्। रामा
यउदात्तानुदात्तेतः परस्मैभाषाः॥ ॥ इति रुधादयः॥ ॥ षु
ञ्अभिषवे। षिञ्बंधने। ञिञ्निशाने। डुमिञ्प्रक्षेपणे। चिञ्चयने। स्तृ
ञ्आच्छादने। कॄञ्हिंसायां। वॄञ्वरणे। धुञ्कंपने। स्वादयउभयतोभा
षाःञ्वर्जमनुदात्ताः॥ टुदुपतापे। हिंसनोरक्षणे च। ष्टुप्रीतौ। स्मृप्राति
पदनयोः। स्मृदयेऽर्थे। आङ्पूर्वाः। षाकृगतौ। राधसा। धसंसिधौ। दुनो
तिप्रभृतयोनुदात्ताः। परस्मैभाषाः। अश्नूङ्व्याप्तौसंघातेच। ष्टिघ

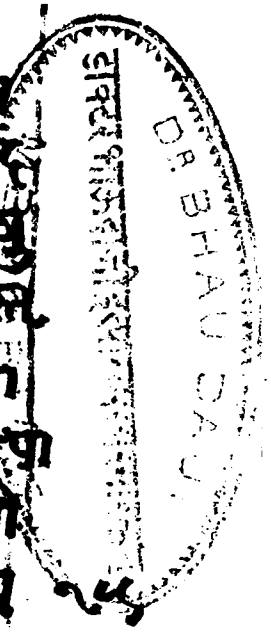

आस्कंदने। अक्षिस्तिघिदासावनुदात्तेतआत्मनेभाषाः। तिगतिक्रि
घघहिंसायां। त्रिधृषाप्रागल्भ्ये। दंभुदंभने। ऋधुरधौ। ठंदसि। अह्ना
सो। दघघातनेपालनेच। चमुभक्षणे। ऋषिरिजिरिचिदासुहिंसायां।
डुडुञ्। वन्। तिकादयउदात्ताउदात्तेतः परस्मैभाषाः॥ ॥ इतिभ्वादि
रणाःस्वादयः॥ ॥ तुदस्थने। णुदप्रेरणे। दिरअतिसर्जने। भ्रस्जपाके।
क्षिप्रप्रेरणे। रुषरिषिहिंसने। तुदादयोनुदात्ताः सरितेतउभयतोभाषाः॥
ऋषागतौ। उदात्तउदात्तेतपरस्मैपदाः। जुषीप्रीतिसेवनयोः। ओविजी
भयचलनयोः। ओलजीओलस्जीव्रीडने। जुषादयउदात्ताअनुदात्ते
आत्मनेभाषाः। ओव्रश्चूछेदने। मृचम्लाजीकरणे। उच्छिठोछीवि

नासे। ऋउगतौ। इन्द्रियप्रलयमूर्च्छाभावेषु। मिछउत्क्लेशे। नर्च चर्च सर्ज प
रिभाषणसंत्यजनयोः। भ्लेच संवरणे। ऋच्छ्रुतौ। उ कुत्सायां आर्जवे। उ स्रंस उ
त्सर्गे। कुभ विमोहने। ष्टिक नक्षने। युध संहारहिंसादानेषु। रिह हर्षक्षये।
त्यप तप कप्पो। नुप चुप नुक्ष चुक्ष हिंसायां। दप दंप उत्क्लेशे। ऋफ ऋंफ हिं
सायां। गुफ गुफ गुंफ ग्रंथे। उभ उंभ पूरणे। शुभ शुंभ शोभार्थे। दृभी ग्रं
थे। चतीहिंसा ग्रंथनयोः। विधि विधानेऽनुद्यमे। मुड मुरद्यने। पूङ्च।
पण स्तीपाने। कुण शब्दोपतापयोः। क्षुन गतौ। कुणा हिंसाशब्दकोटिल्ये
षु। घुण घूर्णभ्रमणे। पर ऐश्वर्यदीप्त्योः। कुरश्दे। खुरछेदने। मुरसंवे ५७

ष्टने। धुरविलेखने। घुरमीमार्थनाक्ष्योः। पुरअग्रगमने। ऋहुग्रम
ने। ऋहृषृ ऋहिंसार्थाः। इषइच्छायां। मिषस्पर्धायां। किलश्वैत्यक्रीड
नयोः। तिलस्नेहने। चिलवसने। चलचिलसने। इलस्वप्नक्षेपणयोः।
विलसंवरणे। विलभेदने। लिरअक्षरविन्यासे। कुटकौटिल्ये। गुज
शब्दे। पुटसंश्लेषणे। कुचसंकोचने। गुडरक्षायां। डिपक्षेपे। ऊरछेद
ने। स्फुटविकसने। मुटआक्षेपप्रमर्दनयोः। त्रुटछेदने। तुटकलहक
र्मणि। चुटछुटछेदने। जुडबंधने। कडमदे। त्रुटसंश्लेषणे। जुडइसे
के। कडघनत्वे। कुडबाल्ये। पुडउत्सर्गे। घुटप्रतिघाते। तुडनोडने। थु

डस्थुडसंवरणे।स्कुडच्युडब्रुडसंवरणे।स्फुरस्फुरणे।कुडभुडनिमज्जने।
श्रन्थ्राद्यउदात्ताउदात्तेतःपरस्मैभाषाः।गूरीउद्यमने।उदात्तोनुदात्तेदा
त्मनेपदी।प्लुस्नवने।धूविधूनने।अयंपूर्वश्चोदात्तःपरस्मैपदी।गुपूरक्षो
त्सर्गे।श्रुगतिस्तैर्ययोः।अयंगुवतिश्चानुदात्तोपरस्मैपदिनौ।कुङ्शब्दे।
चन्उदात्तआत्मनेपदी।पृङ्व्यायामे।मृङ्प्राणत्यागे।अनुदात्ता
त्मनेभाषौ।रिविगतौ।धिधारणे।क्षिनिवासगत्योः।रियक्ष्यौनु
दात्ताःपरस्मैभाषाः।क्षुभ्रेरणे।कृविक्षेपे।गृनिगरणे।उदात्ताःपरस्मै
भाषाः।दृङ्आदरे।धृङ्अवस्थाने।अनुदात्तात्मनेभाषौ।प्रच्छ ७

ज्ञीप्सायां।रन्।सृजविसर्गे।टुमस्जोशुद्धौ।रुजोभंगे।भुजोकौटिल्ये।ञु
पस्पर्शे।रुशरिश्विहिंसायां।स्पृशसंस्पर्शे।लिशगतौ।विछगतौ।विषे
वेरुनेः।म्लेभाम्लानौ।णुदप्रेरणे।षदॢविशरणगत्यवसादनेषु।शदॢशात
नें।पच्यादयोनुदात्ताःपरस्मैभाषाः।विछस्तूदात्तः।मिलसंगमने।
उदात्तःस्वरितेतुभयतोभाषः।मुचॢमोक्षणेलुप्तेचेत्।विदॢलाभे।लिप
उपदेहे।षिचक्षरणे।मुचादयोनुदात्ताःस्वरितेतोविंदतिवर्जंमुभयतोभा
भाषाः।कृतीछेदने।उदात्तउदात्तेत्परस्मैपदी।खिदपरिघाते।पिच्छअव
यवे।उदात्तेत्परस्मीपदी॥॥इतिश्वादिकरणाःस्वरादयः॥रुधिरंआ

रणे। भिदिर विदारणे। छिदिर् द्वैधीकरणे। रिचिर् विरेचने। विचिर् पृथग्भावे। क्षुरिर् संवेष्टने। युजिर् योगे। एते धादयो नुदात्ताः स्वरितेनोभयतोभाषाः। उञ्छृदिर् दीप्तिदेवनयोः। उञ्छिर् हिंसानादरयोः। उञ्छृ दिउदात्तौ स्वरितेनोभयतोभाषौ। कृतीवेष्टने। उदात्त उदात्तेत् परस्मैपदी। त्रिंधीक्षौ। उदात्तौ नुदात्तेदात्मनेपदौ। खिदिर् दैन्ये। विदिर् विचारणे। खिदिविदी अनुदात्तावनुदात्तेतावात्मनेभाषौ। षिधूञ् विक्षेपणे। षिधूसंराद्धौ। भंजो आमर्दने। भुजपालनाभ्यवहारयोः। त्रिषादयो नुदात्ता उदात्तेतः परस्मैभाषाः। तृहिंसिहिंसायां। उंदीङ् क्लेदने। अंजूमक्षिम

क्षणकान्तिगतिषु। तंचूसंकोचने। आविंजीभयचलनयोः। रक्षीवर्जने। वर्चीवरणे। पृची संपर्के। तृहादय उदात्ता उदात्तेतः परस्मैभाषाः। ८ त॥ ॥इतिश्नम्विकरणा धादयः॥ ॥तनुविस्तारे। षणुदाने। क्षणुहिंसायां। क्षिणुच। ऋणुगतौ। तृणुअदने। घृणुदीप्तौ। त नादय उदात्ताः स्वरितेनोभयतोभाषाः। मनुयाचने। मनुअवबोधने। उदात्तावनुदात्तेतावात्मनेभाषौ। उकुञ्करणे। अनुदात्त उभयतोभाषः॥ इत्युविकरणास्तनादयः॥ ॥डुकृञ्करणे। अदभ्यविनिमये। प्रीञ्तर्पणेकान्तौच। श्रीञ्पाके। भी ञ्हिंसायां। षिञ्बन्धने। स्कुञ्आप्रवणे। युञ्बन्धने। क्र्यादय उदात्ताउभयतोभाषाः। कॄञ्वरणे। डुकृञ्हिंसायां। पूञ्पवने। लू

मृछेदने। स्तृञ् आच्छादने। कृञ् हिंसायां। दृञ् वरणे। धृञ् कंपने। कु
ग्दयउदात्तउभयतोभाषाः। दृञ् हिंसायां। पृ पालनपूरणयोः। स्पृ
हिंसायां। दृ वरणे। भृ भर्त्सने। स्मृ हिंसायां। दृधिदृ वरणे। ज्वे योहानौ।
त्रुइ ये के। ध्रुइ स्तम्भे। द्रु नये। क्ष्णु हिंसायां। क्रिगतौ। गृ शब्दे। भृणा तिप्र
भृतयउदात्ताः परस्मैभाषाः। म्वा वयोहानौ। राग तिरेषणयोः। ली श्ले
षणे। क्री वरणे। पू गतौ। वृत् प्रावरणे। भी भरणे। क्षीषु हिंसायां। त्रा
यनोधने। बंधबंधने। ज्या दयो नुदात्तापरस्मैभाषाः। वृङ् संभक्तौ
उदात्तआत्मनेपदी। श्रयविमोचनप्रतिहर्षयोः। मथविलोडने। १९

श्रथग्रथसंदर्भेकथसंश्लेषणे। मदक्षोदे। मडन्च। गुधरोषे। कुषनिष्क
र्षेक्षुभसंचलने। णभतु हिंसायां। क्लिशूविबाधने। अशूभोजने। उध्र
संउंछोइषआभीक्ष्ण्ये। विषविप्रयोगे। पुषपुष्टौसुषस्नेहनसेचनपूरणेषु
। पुषपुष्टौसुषस्तेयेरचभूतप्रादुर्भावे। रचईषेसेके। हेट्चग्रंथादय
उदात्तउदात्तेतोविषवर्जंपरस्मैभाषाः। ग्रहउपादाने। उदात्तःस्वरि
तेदुभयतोभाषाः॥ ॥ इतिश्वादिकरणाःक्र्यादयः। चुरस्तेये। चि
न्तिस्मृत्यां। यत्रिसंकोचने। स्फुडिपंरिहासे। लक्षदर्शनांकनयोः। कु
ट्टिअनृतभाषणे। लडउपसेवायां। मिदिस्नेहने। ओलडिउत्क्षेप

कोजलजपचारणो।पीडअवगाहने।नटअवस्पंदने।श्रथप्रयत्ने।बध
संयमेंने।पूर्णेऽर्जबलप्राणनयोः।पक्षपरिग्रहे।वर्णचूर्णजरणे।
ग्रथप्रख्याने।वथुप्रक्षेपे।वथदसके।बंधसंबंधने।शंबचाभीक्ष्ण्ये
नो।कुट्टछेदनभर्त्सनयोः।पुट्टचुट्टअल्पीभावे।अट्टशुट्टअनादरे।लुंट
स्तेये।कुट्टोरटश्चटअसंस्कारगत्योः।श्वटिप्रेरके।तुजिपिंजिसिंहिंसाब
लादाननिकेतनेषु।पिसगतौऽवयवे।श्वल्कवल्कपरिभा
षणे।स्नुहस्नेहने।स्मिटआनादरे।।ष्विड्-इत्येके।श्लिषश्लेषणे।
पथिगतौपिठकट्टने।ठदिसंवरणे।श्रणदृने।तडआघाते।खडस्व २०

डिभेदने।कुडिरक्षणे।गुडिवेष्टने।खुडिखंडने।मडिविभाजने।मडिभू
षायांसर्वेच।मडिकल्याणे।उर्दवमने।पुस्तनुस्तभादरानादरयोः।चु
दसंचोदने।नकुधक्रुनाशने।चक्रुचुक्रुक्थने।क्षलशौचकर्मणि।तल
प्रतिष्ठायां।तुलउन्माने।टुलउत्क्षेपणे।पुलमहत्वे।फलसमुद्भाये।मूल
रोहणे।फलविशरणे।बिलभेदने।तिलस्नेहने।चलभृतौ।पालरक्षणे।
लूबहिंसायां।भुल्बमाने।शूर्वमाने इत्येके।चुटछेदने।मुटसंचूर्णने।प
डिपीडनावयवे।वजमार्गसंस्कारगत्योः।शुल्कअतिसर्जनेच।पिसगतौ।
ऋषिक्षप्।ऋजिस्रवभोजने।श्वर्तगतौ।ऋभ्रच।पिंतपमिच्च।तृपमा
रणतोषणनिशामनेषु।मिच्छेत्येके।यमचपरिवेषणे।चहपरिकल्कने।

रहणागो।बलप्राणाने। चित्रू चयने। नान्येमितोहेतौ। घट्टचलने। मुंस्तसंघा
ते। वहसंवरणे। बहस्फिट्चुबिहिंसायां। मयप्रक्षये। मूलसंघाते। पु
सअभिवर्धने। टकिबंधने। धूसकांतिकरणे। कीटवर्णे। कूर्णसंकोचे
ने। पूजपूजायां। अर्कस्तवने। खुटआलस्ये। खुटिस्तोषणे। तुडप्रेरणे। ग
र्जिमार्जिशब्दे। थेो। घप्रस्रवणे। पचिविस्तारवचने। निजनिशाने। हन
संक्रांदे। गधछेदनपूरणयोः। कुबिआच्छादने। लुबिगुबिआछादने। हू
पश्कायांगत्यि। कूपेसेके। चुटिछेदने। दलप्रेरणे। त्रसम्लेडने। म्ल
क्षम्रक्षछेदने। म्लेछअव्यक्तायांगत्यि। ऋसवहिंसायां। गर्गर्जना
दे। गधअभिकांक्षायां। मुर्दूर्वनिकेतने। जसिरक्षणे। ईडस्तुतौ। ऋहिं २१

सायां। पिडिसंघाते। रुषरोषे। डिपक्षेपे। धूपसमुच्छ्राये। आकुस्मादासने
पदिनः। चितसंचेतने। दृशिदर्शने। दृशिदर्शनदर्शनयोः। डपडिपसंघाते।
तत्रिकुटुंबधारणे। मत्रिगुप्तपरिभाषणे। स्पशग्रहणसंश्लेषणयोः। त
जिभर्त्सनतर्जने। वस्तगंधअर्दने। णिकहिंसायां। हिक्केसेके। णिकपरिमा
णे। ललईक्षायां। कूणसंकोचने। तूणपूरणे। भूणआशाविंशंकयोः। घाट
श्लाघायां। पक्षपूजायां। स्यमवितर्के। गूरउद्यमने। स्यमलक्षआलोचने। कु
सअनक्षेपणे। चुटछेदने। गलस्रवणे। भलआभंडने। कूटगात्रप्रतापने। भव
सोदनइसेके। कूटप्रतापनइसप्येके। कुटप्रतापने। चचुप्रलंभने। वष
शक्तिबंधने। मदतृप्तियोगे। दिवुपरिकूजने। गर्वितज्ञाने। विदचेतना

स्मानविलासेषु। मनस्तंभे। युजुगुप्सायां। कुत्सनाम्नोर्वा। चर्चअध्ययने। वर्क्कभक्षणे। शब्दशब्दक्रियायां। शब्दउपसर्गादिनिष्कारे च। कणनिमीलने। जभिनाशने। बृदक्षरणे। जसुताडने। पशबंधने। अमरोगे। च
ङस्फटभेदने। घटसंघाते। हंसथस्थि। दिवुमर्दने। अर्जप्रतियत्ने। घुषिरविशब्दने। आङः क्रंदसातत्ये। लसश्लिष्यथोगे। नसिभूषअलंकारे। मोक्षआसने। अर्हपूजायां। हानित्योगे। भजविश्राणने। स्पर्धुप्रसहने। यतनिकारोपस्कारयोः। रकलगआस्वादने। दघट्सेके। रगस्नेहे। अंचुचिशोषणे। एवंस्पर्धुनसुलिंगिचिन्नीकरणे। मुदसंसर्गे। त्रसधारणे। ग्रहण २२

दसेके। वारणदस्नेहे। तिस्नेहधान्यधनयोः। प्रतिदाने च। वसस्नेहनछेदापहरणेषु। चरसंचये। सुहसने। सहनदसेके। सुसेसेके। भुजोवक्रियाकौटिल्ये। रगलगआस्वादने। रघलघट्सेके। अंचुचिशोषणे। लिंगिचिन्नीकरणे। मुदसंसर्गे। त्रसधारणे। डभ्रसउंछे। मुचप्रमोचने। आस्वदः सकर्मकात्। ग्रसग्रहणे। पुषधारणे। दलविदारणे। पटपुटलुटलुजिमिजिपिजिलुजिभजिलघित्रसिदसिकुसिदृशिकुशिघरघटिवहीवर्हिल्यगुपधूपविछीराव्यथेलोच्चलोलुणरुपलक्रुचधुभाषार्थाः। भासाथदिसेके। रुटलुजिभजिदसिभ्रस्जिहसिरुशिरुहनटकुटिजुसिरघिअहिरहिमहीसेनेच। भजिपिसलडिवहिकुटिनटीनग्रेपटनि।

पूरीआप्यायेने। कृत्तसिंसायां। उदआस्वादने। आधघ्राघ्रा। युजपृचसंय
मने। अर्हपूजायां। षहमर्षणे। ईक्षेपे। लीद्रवीकरणे। रज्जीवर्जने। रञ्ज
रणे। ऊनयोर्हानौ। रिचविरेचनसंपर्चनयोः। शिषअसवेयियोगे। तपस
हे। तपतप्तौ। उदेसंदीपने। चपचृपतपसंदीपने। दृभीभये। दृभसंदृभौ। अ
थमोक्षणे। मागतौ। ग्रंथबंधने। श्रीकमर्वणे। चीकच। अर्दहिंसायां। हिंसि
हिंसायां। अर्हपूजायां। पदपद्यर्थे। मुंधश्रौचकर्मणि। उदअपवारणे। मु
षपरितर्कणे। धूञ्कंपने। प्रीञ्तर्पणे। ग्रथग्रंथसंदर्भे। आपूलंभने। तंतु
श्रोपकरणयोः। उपसर्गाच्चदेर्धे। वश्रथोपहननयोरिच्छे। वद
संदेशवचने। वचपरिभाषणे। मानपूजायां। भूप्राप्तावात्मनेपदी। गर्ह २४

निंदने। मार्गअन्वेषणे। कृद्रोके। मृजुशुद्धौचालंकारयोः। मदतिनिक्षा
त्यो। धृषप्रसहने। कथवाक्यप्रबंधे। एतदादयोदंताः। वरईप्सायां। गणसंख्या
ने। वाटस्वाटसम्यगभिभाषणे। पटवाक्यग्रंथे। रहत्यागे। स्तनगदीदेवशब्दे। पत
गतौ। वाघञनुपसर्गात्। स्वरआक्षेपे। वचप्रतियत्नेकिलगतौसंख्याने
चावचपरिकल्कने। महपूजायां। सारूपग्रथदीबल्ये। स्पृहईप्सायां। भी
मक्रोधे। भुचपेभूत्पे। खेटभक्षणे। खोटदृष्टेक्षोटक्षेपे। गोमडउपलेप
ने। कुमारक्रीडायां। शीलउपधारणे। सामसांत्वप्रयोगे। नेलकालोप
देशे। गवेषमार्गणेवासउपसेवायां। निवासआच्छादने। भाजपृथक
र्मणि। सभाजप्रीतिदर्शनयोः। प्रीतिसेवनयोरिच्छे। संकेतग्रामकु

कुणगुण-चामंत्रणे। स्तेनचौर्ये। आगर्वादात्मनेपदिनः। पद्गतौ। ग्रह ग्रहणे। मृगअन्वेषणे। कुहविस्मापने। स्मृ रवीरविक्रांतौ। स्कुलपरिहरणे। अर्थउपयाच्ञायां। संबसंतानक्रियायां। गर्वमाने। स्त्रंवेष्टने। विमोचनदृसन्ये। मूत्रप्रस्रवणे। रुक्षपारुष्ये। पारंतरकर्मसमाप्तौ। घुटसंवर्गे। कत्रवौधिल्ये। प्रातिपादिकाधात्वर्थेबहुलमिष्टवच्च। तत्करोति तदाचष्टे। तेनातिक्रामति। धातुरूपंच। कर्तृकरणाधात्वर्थे। बहुदर्शनेचित्रचित्रकरणेकदाचिद्दर्शने। अंससमाघाते। वटक्रियाजने। लज्जप्रकाशे। मिश्रसंपर्के। संग्रामयुध्योस्तोमश्लाघायां। छिद्रकर्णामे २४

दने। अंधदृश्युपघाते। उपसंहरदृश्येके। दंडदंडनिपाते। अंकपदेलक्षणेचांगच। सुखदुःखनक्रियायां। रसआस्वादनस्नेहनयोः॥ मयनिमसमुत्सर्गे। रूपरूपक्रियायां। चेदृद्धौकरणे। उदअपवारणे। लाभप्रेरणेग्रणगात्रविचूर्णने। वर्णवर्णक्रियाविस्तारगुणवचनेषु। बहुलमेतन्निदर्शनं। णिइंगोनिरसेने। श्वेताश्वाश्वरणलोहिताक्षरकाणामश्वतरेतकलोपश्च। पुत्रादिषुधात्वर्थदृश्येनसिध्यति॥ ॥इतिस्वार्थण्यंतास्युत्पत्तयः॥ ॥ग्रंथसंख्या॥२५५॥ ॥ ॥५॥

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017